Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 23-03-2005

Participants : Saroj Shri Daroga Prasad

Title: Need to construct an over-bridge at Valese Crossing in Azamgarh district, Utter Pradesh.

श्री दरोगा प्रसाद सरोज (लालगंज) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, बहुत समय बाद मुझे बोलने का मौका मिला है, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। मैं आपकी अनुमति से, सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में सबसे पिछड़े इलाके जनपद आजमगढ़ की ओर आकर्ति करना चाहता हूँ। दुर्भाग्य यह है कि आज सदन में माननीय रेलमंत्री जी मौजूद नहीं हैं। उनसे मुलाकात होती तो बहुत अच्छा होता। उन्होंने एक बहुत अच्छा बजट पेश किया था, लेकिन जिस तरह से आजमगढ़ ही नहीं पूरे उत्तर प्रदेश की उपेक्षा की गयी, वह अच्छी बात नहीं रही। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि जनपद आजमगढ़ से होकर एक ट्रेन मुंबई और दो ट्रेन दिल्ली के लिए गुजरती हैं। आजमगढ़ रेलवे स्टेशन पर दो प्लेटफार्म हैं, लेकिन वहाँ पर फुटब्रिज आज तक नहीं बन पाया है जिसके कारण यात्रियों को इस पार से उस पार जाने में कठिनाई होती है। इसके चलते कई बार हादसे हो चुके हैं जिनमें कई लोगों की मृत्यु भी हो चुकी है। मेरा निवेदन है कि वहाँ एक फुटब्रिज का निर्माण करवाया जाए।

मान्यवर, दूसरी बात यह है कि राज्यसभा और लोकसभा को मिलाकर लगभग एक दर्जन से ज्यादा सांसद वहाँ से आते हैं, लेकिन वहाँ से एक भी अच्छी ट्रेन नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आप तो बड़े उदार हैं और मैं समझता हूँ कि आप अपनी उदारता अवश्य दिखाएंगे। मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि हम लोगों को आजमगढ़ से दिल्ली आने-जाने के लिए लगभग 100 किलोमीटर रास्ता तय करके वाराणसी आना पड़ता है और वहाँ से हमें दिल्ली के लिए ट्रेन मिल पाती है। अतः मेरी आपसे गुजारिश है कि लिच्छवी ट्रेन जो मुजफ्फरपुर से वाराणसी होती हुई दिल्ली के लिए आती है।

कम से कम हफ्ते में तीन दिन उसे आजमगढ़ होकर चलाया जाए, तो आपकी बड़ी कृपा होगी। जब तक स्वर्गीय कल्पनाथ राय जी जनपद मऊ से चुनकर यहां आते थे, तो प्रथम श्रेणी ए.सी. का कोच लगता था। आज हम वहां से करीब 13 सांसद आते हैं। वह प्र थम श्रेणी कोच हटा दिया गया है और उसकी जगह द्वितीय श्रेणी ए.सी. कोच लगा दिया गया है, जो कि काफी घटिया है और उसका कोई मतलब नहीं है। मैं पुरजोर शब्दों में कहना चाहता हूं कैफियत एक्सप्रेस ट्रेन के लिए हमने पूर्व रेल मंत्री नीतीश कुमार जी से काफी आग्रह किया था।

अध्यक्ष महोदय : आजमगढ़ का मुद्दा रोज उठाइए।

श्री दरोगा प्रसाद सरोज : बहुत दिनों के बाद बोलने का मौका मिला है । कैफियत एक्सप्रेस रात को नौ बजे चलती है।

अध्यक्ष महोदय : मुद्दा सही ढंग से उठाना चाहिए और सही ढंग से अपनी बात कहनी चाहिए। ऐसे बोलना ठीक नहीं है।

श्री दरोगा प्रसाद सरोज : वह रात को नौ बजे चलती है और आज चलेगी या कल चलेगी और कहां खड़ी हो जाएगी, इसका कोई पता नहीं है। इसलिए उस ट्रेन की समय सीमा होनी चाहिए और वह तीन बजे शाम से पांच बजे शाम के बीच चलनी चाहिए। मुम्बई के लिए गोदान एक्सप्रेस ट्रेन चलती है।

अध्यक्ष महोदय : यह आपका चौथा मुद्दा हो गया।

श्री दरोगा प्रसाद सरोज : अध्यक्ष महोदय, रेल बजट पर बोलने का मौका ही नहीं मिला।

अध्यक्ष महोदय : आजमगढ़ के सब मुद्दों पर हम समर्थन देते हैं।

श्री दरोगा प्रसाद सरोज : मैं चाहता हूं गोदान एक्सप्रेस को नियमित किया जाए, क्योंकि खाड़ी में वहां से कई लोग जाते हैं इसलिए इसे पूरे हफ्ते चलाया जाए एवं आजमगढ़ से गोरखपुर तक पहुंचने का साय शाम 2 बजे से 6 बजे के बीच होना चाहिए ताकि यात्री अपने घर जा सकें ।

अध्यक्ष महोदय : धन्यवाद। अब तो आपका गुस्सा शांत हो गया होगा।